

## राजस्व विभाग

## युद्ध जागीर

दिनांक 7 अक्तूबर, 1969

क्रमांक 4518-र III-69/26973.—पूर्वी पंजाब के युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2 (ए) (1 ए) और 3 (1 ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल 100 रुपये ( केवल सौ रुपये) की वार्षिक युद्ध जागीर निम्नलिखित लोगों को सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं :—

क्रम संख्या	ज़िला	जागीर पाने वाले का नाम	गांव	तहसील
1	अम्बाला	श्री कुन्दन राम, पुत्र आसा राम	तिगांवा	नारायणगढ़
2	„	श्री बुध राम, पुत्र मंगता	हमीदपुर	„
3	„	श्री संघारू राम, पुत्र हीरू	मुलाना	अम्बाला
4	„	श्री मुन्शी राम, पुत्र अतरू राम	मुठेरी जाटान	„
5	„	श्रीमती लछमी देवी, विधवा विशन दास	मकान नं० 59/943 बलदेव नगर, अम्बाला शहर	„
6	„	श्री परमा नन्द, पुत्र धनपत राम	मकान नम्बर 74/1172, बलदेव नगर, अम्बाला शहर	„
7	„	श्री माम राज, पुत्र मिठू राम	धीन	„
8	„	श्री दीवान सिंह पुत्र, दुनी चन्द	तेपला ।	„
9	„	प्रतापा, पुत्र बदामा	मन्धार	जगाधरी
10	„	श्रीमती नारायण देवी, विधवा रोचा राम शर्मा	4409, प्रेमनगर, यमुनानगर	„

यह अनुदान खरीफ, 1965 से लागू होंगे ।

दिनांक 11 नवम्बर, 1969

क्रमांक 5767-र III-69/27068.—श्री पहलाद सिंह, पुत्र श्री पाल सिंह, निवासी गांव कोसली, तहसील झझर, जिला रोहतक की मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब जंगी जागीर अधिनियम, 1948 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए सहर्ष आदेश देते हैं कि श्री पहलाद सिंह की मुबलिक 100 रुपये की जागीर, जो कि उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2680-र 5-67/1976, दिनांक 16 जून, 1967 के द्वारा मंजूर हुई थी, अब श्रीमती चन्दावती विधवा श्री पहलाद सिंह के नाम रबी 1969 से मंजूर की जाती है इन अधिकारों का प्रयोग सनद में दी गई शर्तों के अधीन रहते हुए किया जायेगा ।

गुरचरण सिंह बिन्दरा, अवर सचिव ।